अंक – बारह Volume-12

E-Gyan

Monthly Digital News Letter of Maharishi Organizations - India

महर्षि संस्थान भारत का मासिक सूचना पत्र

महर्षि संवत्सर – ५५ विक्रम संवत्सर – २०६७ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष १४, शुक्रवार, ११ जून २०१०

• E-mail - egyan@mahaemail.com and egyanmonthly@gmail.com • Web site - www.e-gyan.net

11 June 2010, Friday

MAHARISHI INSTITUTE OF MOUNTAINEERING & ADVENTURE TRAINING - 2010

With His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji's divine blessings and auspicious guidance & leadership of Brahmachari (Dr.) Girish Ji, Hon'ble Chairman MVM Schools Group, an Institute of Mountaineering and Adventure Training had been started in the year 2001 keeping in view the value of adventure training to develop self-confidence, discipline and courage and leadership quality. Since then every year MIMAT organizes an adventure and mountaineering tour to various hill stations around the country.

This year under the able Leadership of Dr. T. C. Pathak Director (CPR), Maharishi Vidya Mandir Schools Group, the tour was organized from 15th May to 25th May 2010 at Kullu, Manali & Rohtang Pass and the first base camp was at MVM Kurukshetra.

111 Students from 17 Schools of 8 states Participated in MIMAT Adventure Training Programme 2010. The Schools were MVM Bilaspur, Damoh, Bhopal, Bhandara, Seoni, Modi-Nagar, Aligarh, Ambikapur, Raipur, Allahabad, MCEE-Bhopal, Hyderabad, Wardha, Sultanpur, Maharishi Nagar, Yamuna Nagar, Fatehpur and kids club School Jaipur.

The aim of course has been to create and foster the spirit of risk-taking, cooperation, team work, capacity of instantaneous & vital response to challenging situations, building up moral and physical endurance and leadership qualities. Special emphasis is laid on understanding of nature through the great knowledge of Vedic Science and adventure sports, without causing environmental degradation. Course includes activities like trekking on mountains and high altitude areas, rock climbing, river rafting, paragliding, skating & ice sports, bush craft, waterman ship, camping, navigation, study of flora and fauna, & their conservation.

River Crossing

The training programme was sponsored by Maharishi Shiksha Sansthan, India and Maharishi Institute of Mountaineering and Adventure Training.

PHOTOGRAPH OF ACTIVITIES IN ADVENTURE TRAINING PROGRAMME-2010

Student of MVM Sultanpur at Rohtang Pass

Student of MIMAT during Rock Climbing & Rappling

Burma Bridge Crossing

Student of MVM Hyderabad at Manali Base Camp

Student of Kids Club School, Jaipur receiving award from Dr. T. C. Pathak, Director MIMAT

Student of MVM Sultanpur receiving award from Dr. T. C. Pathak, Director MIMAT

Maharishi Mahesh Yogi

MAHARISHI MAHESH YOGI VEDIC VISHWAVIDYALAYA, MADHYA PRADESH

(Established by Madhya Pradesh Act. No. 37 of 1995, Recognised by UGC under Section 2-f)

(Member of Association of Indian Universities)

MMYVV is part of Maharishi Global Education Movement Spread over 100 countries. In India MM YVV is part of Maharishi Educatioin System with 250,000 Students. 10,000 Faculty, Administrative and Support Staff in 250 Districts of India.

Lead the world with Knowledge, Power and Bliss

ADMISSIONS OPEN FOR YEAR 2010 -11 SESSION

REGULAR COURSES AT JABALPUR, BHOPAL AND INDORE
DAY AND RESIDENTIAL CAMPUSES

• ***PG (Post Graduate) Courses:*** **M.Sc (CS), MA (Education), Acharya (2yrs): Yog, Jyotish, Sthapatya Ved (Vastu), Darshan** • ***Degree Courses:*** **BCA, BBA, B.A., B.Com, B.Sc. (Computer Science), Shastri (3yrs): Yog, Jyotish, Sthapatya Ved (Vastu), Darshan** • ***Post Graduate Diploma Courses:*** **PGDCA, PGD in Marketing Management, Finance Management, HRM, Educational Administration** • ***Diploma Courses:*** **ADCA, DCA, Yog, Jyotish, Sthapatya Ved (Vastu), Darshan, Maharishi Vedic Swasthya Vidhan, Modern Office Management (MOM), Dress Designing & Manufacturing (DDM), Healthcare & Beauty Culture (HCBC)**

COURSES AUTHORISED UNDER CONVERGENCE SCHEME, DISTANCE EDUCATION COUNCIL-IGNOU

• ***Master Degree:*** **MCA, MPA, MARD, M.Com, MSW, MBA** • ***Bachelor Degree :*** **B.A, B.Com, BSW, B.Ed** • ***Post Graduate Diploma :*** **PGDFM, PGDHRM, PGDIM, PGDMM, PGDDE, PGDHE, PGDRD, PGJMC, PGDSLM** • ***Diploma:*** **DIM, DPE, DNHE** • ***Certificate Courses:*** **BPP, COF, CNCC, CFN, CCP, CRD, CBS, CPE.**

STUDENTS HAVE CHOICE OF DUAL DEGREE COURSES OF IGNOU, DUAL DEGREE COURSES WILL RUN CONCURRENTLY WITH REGULAR COURSE OF MMYVV

MMYVV also runs following DEC approved courses under Distance Education mode:
BA, BCOM, BCA, CIC, PGDAPP

For further information on courses, admission and prospectus, please contact:

Bhopal : MCEE Campus, Berasia Road •Phone: 0755-2742936, 9981993693
Indore : Cat Road, Rau, Rangwara, City Office: South Tukoganj •Phone: 0731-2857168, 9826048223, 9826949540, 9926083590 **Jabalpur :** Narmada Tat; Lamti, Vijay Nagar •Phone: 0761-4071151, 9993070182 •Distance Courses Contact : 0761-4046152

• Printed copy of prospectus is available for Rs. 250 at either of above-mentioned campuses. To receive printed copy of prospectus, please send a DD of Rs. 250 in favour of MAHARISHI MAHESH YOGI VEDIC VISHWAVIDYALAYA, PAYABLE AT JABALPUR, M.P.

• Students can download digital copy of prospectus and application from University website: **www. mmyvv.com.** In case application form is downloaded from website, please enclose a DD of Rs. 250 in favour of MAHARISHI MAHESH YOGI VEDIC VISHWAVIDYALAYA, PAYABLE AT JABALPUR M.P.

Admission are also open in more than 180 Associate Institutions of the University all over Madhya Pradesh. Please visit the web site or call any of phone numbers mentioned above for location of the Associate Institutions and availability of courses in these institutions.

Institute of Higher learning interested in becoming Associates of MMYVV, please e-mail to : **registrarmmyvv@gmail.com**

Registrar

•web site : www.mmyvv.com •email : mmyvv.de@gmail.com

Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya
[Recognised under UGC Act, Section 2 (f)]

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय
वैदिक एवं आधुनिक ज्ञान का समन्वय

''सम्पूर्ण भारत में वैदिक ज्ञान को प्रचारित व प्रसारित करने के लिए तथा शिक्षा की मुख्य धारा में वैदिक ज्ञान का समावेश करने के लिये महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय की स्थापना १९९५ में की गई है। इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य सर्वसमर्थ चेतनावान् व्यक्ति, समस्याविहीन समाज, आदर्श भारत का निर्माण एवं वेद भूमि, पूर्ण भूमि, देव भूमि भारत के दिव्य जागरण में समस्त विश्व के लिए सुख शांति और अजेयता का मार्ग प्रशस्त करना है। विश्वविद्यालय का परम लक्ष्य है पूर्ण शाश्वत् ज्ञान के आधार पर भूतल पर स्वर्ग का निर्माण। ज्ञान एवं विज्ञान के प्रचार प्रसार के लिए विश्वविद्यालय का मुख्यालय भारत के भौगोलिक केन्द्र बिन्दु-ब्रह्मस्थान ग्राम-करौंदी में स्थापित किया गया है जहाँ हजारों वैदिक विद्यार्थी वैदिक विद्या का अध्ययन कर रहे हैं एवं विश्व के समस्त नागरिकों और राष्ट्रों की शांति, सुख और समृद्धि के लिए नित्य अनुष्ठान सम्पादित कर रहे हैं।

''महर्षि विश्वविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी को पूर्ण ज्ञान प्रदान किया जाता है। किसी भी विद्यार्थी को पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति के लिए कहीं बाहर भटकना नहीं पड़ता, क्रिया की सिद्धि के लिए तथा किसी इच्छा प्राप्ति के लिए विद्यार्थी को संघर्ष नहीं करना पड़ता और न ही समस्याओं का सामना करना पड़ता, विद्यार्थी अपनी आत्मा में ज्ञान का उदय एवम् अनुभव करके अपने जीवन को आदर्श बना ले यह विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य है। विश्वविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी को प्रकृति के नियमों में कुशलता प्राप्त करने के लिए तैयार किया जाता है जिससे उसका व्यावहारिक और व्यावसायिक जीवन हमेशा सफल रहे। इस विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम वैदिक तथा लोकिक दोनों दृष्टिकोणों से प्रमाणित हैं जिससे कि विद्यार्थी को लौकिक तथा परलौकिक दोनों क्षेत्रों में उपलब्धियाँ प्राप्त हो सकें और वह भारत ही नहीं वरन् विश्व परिवार का एक आदर्श नागरिक बन सके। भारत की वर्तमान शिक्षा प्रणाली पूर्ण शिक्षा प्रदान नहीं करती। महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय की शिक्षा पद्धति चेतना के विकास और ज्ञानार्जन दोनों पर आधारित है। यह पद्धति चेतना प्रधान शिक्षा पद्धति है। इस पद्धति को आत्मप्रधान शिक्षा पद्धति भी कहा जा सकता है।

''विश्वविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी को आत्मा के अनुभवों से परिचय कराया जाता है। भावातीत ध्यान के अनेक प्रयोग, लाभ जो चेतना को जगाने के प्रयोगिक विधान हैं, विश्व भर के वैज्ञानिकों द्वारा प्रमाणित है इस विश्वविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी को प्राप्त होते हैं। वर्तमान शिक्षा प्रणाली भारतीय ज्ञान पर आधारित शिक्षा प्रणाली नहीं हैं। महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षा में आधिदैविक, आध्यात्मिक एवं आधिभौतिक तीनों तत्वों का समन्वय है।

''वास्तव में प्रत्येक व्यक्ति वेद की ही अभिव्यक्ति है, प्रयेक व्यक्ति वेद का ही प्रकट रूप है। चेतना में वेद के जागरण से ही विद्यार्थी का सार्वभौमिक विकास होता है। प्रत्येक व्यक्ति वह जैसा भी है, जो भी है, वेद ही है। वैदिक विश्वविद्यालय में प्रत्येक विद्यार्थी को उसके शरीर में वेद का दर्शन कराया जाता है। वैदिक विश्वविद्यालय का स्नातक वैदिक ज्ञान-विज्ञान से लेकर प्रकृति के नियमों का प्रयोग करने की कुशलता प्राप्त करके आवश्यकतानुसार सब कुछ कर सकने में समर्थ होता है। पूर्ण ज्ञान देने का विधान जो वैदिक विश्वविद्यालय में

शिक्षाक्रम (पाठ्यक्रम) के रूप में बनाया गया है, वह वैदिक और लौकिक दोनों दृष्टिकोणों से प्रमाणित है। महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय की शिक्षा पद्धति महर्षि और वैदिक इन दोनों शब्दों के अर्थ से स्वयं प्रमाणित है''।

यह विचार महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ब्रह्मचारी गिरीश जी ने **महामीडिया न्यूज सर्विसेस** से एक निजी साक्षत्कार में व्यक्त किये।

ब्रह्मचारी जी ने कहा कि ''अनेकानेक वैदिक वचनों से प्रतिपादित भवातीत ध्यान समस्त विश्व में लाखों-लाखों व्यक्तियों के जीवन में लाभदायक सिद्ध हुआ है। विश्व के सौ से भी अधिक देशों के सभी धर्मो, विश्वासों और पृष्ठभूमि के नागरिक इसका अभ्यास करते हैं। भावातीत ध्यान के अनेकानेक लाभ सैकड़ों वैज्ञानिक प्रयोगों द्वारा प्रमाणित हुए हैं। विज्ञान द्वारा प्रमाणित, महर्षि द्वारा इस युग में प्रकाशित, भावातीत ध्यान प्रत्येक व्यक्ति की चेतना में पूर्ण ज्ञान की जागृति करने का साधन बनाया गया है।

''महर्षि महेश योगी विश्वविद्यालय में जो व्यवसायिक विषयों का प्रशिक्षण होता है, उनमें भी वैदिक ज्ञान और ज्ञान की क्रियाशक्तियों का जागरण कराते हुए व्यवसाय में कुशलता दी जाती है। कोई किसी भी व्यवसाय में कुशलता प्राप्त करने की शिक्षा लेना चाहे, उसकी शिक्षा ऐसी होनी चाहिए कि उसके कार्य में प्रकृति का सहयोग मिलता रहे और उसका व्यवसाय उसकी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति करे साथ ही साथ स्वाभाविक रूप से उसका अधिदैविक और आध्यात्मिक विकास भी होता जाए। व्यवसायिक कुशलता के लिये ब्राह्मी चेतना का उदय करके पूर्णता की प्राप्ति का अधिकारी होना किसी भी व्यवसाय का प्रशिक्षण लेने वाले के लिए आवश्यक है। इस विश्वविद्यालय का विद्यार्थी न केवल ज्ञान के क्षेत्र में पारंगत होता है, अपितु क्रिया के क्षेत्र में भी पारंगत होता है, व्यवहार से कुशल होता है, वैदिक विश्वविद्यालय में ज्ञान की प्यास तृप्त होती है।

''शिक्षा की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि विद्यार्थी की विकासमान चेतना को पूर्ण जाग्रत कर दिया जाए, जिससे उसकी चेतना, उसका व्यवहार युवक होते-होते इतना प्रौढ़ हो जाये कि उसके लिए कोई भी कार्य कठिन न रह जाये और वह अपनी सभी उत्कर्षकारी इच्छाओं की पूर्ति कर सके। वर्तमान बढ़ती बेरोजगारी और कुंठित मानसिकता से ग्रस्त शिक्षित युवाओं की स्थिति सर्वविदित है, इसे यदि वर्तमान में प्रचलित पाश्चात्य शिक्षा पद्धति की देन कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

''महर्षि वैदिक शिक्षा पद्धति का लक्ष्य है, जीवन के हर स्तर को शिक्षित करना, कोई व्यक्ति कभी किसी तरह की त्रृटि न कर सके उसे ऐसा प्रशिक्षित करना। उच्च शिक्षा का लक्ष्य है कि ज्ञान के उस ऊँचे शिखर पर बैठा देना जहाँ से सब कुछ दिख सके, सब कुछ अपने अधिकार में रहे, कोई भी कार्य सहजता से कर सकने की सामर्थ्य रहे-**सहजम कर्म कौन्तेय**। उच्च शिक्षा के ये उद्देश्य वैदिक विश्वविद्यालय में सब विद्यार्थियों को प्राप्त हों ऐसा विधान परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी ने किया है। हजारों वर्षों के मानवीय इतिहास में ज्ञान के एक नये सूर्य का उदय हुआ है। दो-तीन सौ वर्षों से प्रारम्भ हुई भौतिक विज्ञान प्रधान शिक्षा को अनादि गुरू परम्परा प्राप्त शाश्वत् वैदिक शिक्षा पद्धति के पूर्ण ज्ञान के प्रकाश में लाकर महर्षि जी ने उसको ऐसी पूर्ण स्थिति प्रदान की है''।

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश विधान सभा के अधिनियम (अधिनियम क्रमांक 37, वर्ष 1995) द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय है। यह विश्वविद्यालय **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग** के अधिनियम की कंडिका २(एफ) के अंतर्गत सूचीबद्ध है। विश्वविद्यालय, **भारतीय विश्वविद्यालय संघ** का सदस्य भी है। परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी इस विश्वविद्यालय के प्रथम कुलाधिपति थे, वर्तमान कुलाधिपति ब्रह्मचारी गिरीश जी विश्वविख्यात शिक्षाविद्, दक्ष प्रशासक, वैदिक ज्ञान के प्रकाण्ड विद्वान और एक सिद्ध साधक हैं। वे महर्षि प्रणीत चेतना पर

आधारित शिक्षा प्रणाली को विश्व भर में प्रचारित व प्रसारित करने में विगत २७ वर्षों से सक्रिय रूप से निरन्तर कार्यरत हैं।

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय ने विगत १५ वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के कई प्रतिमान स्थापित किए हैं। इस विश्वविद्यालय के वर्तमान में चार वृहद् वास्तु आधारित शांतिपूर्ण, प्रदूषणमुक्त, स्वच्छ परिसर राज्य की राजधानी भोपाल, व्यावसायिक शहर इन्दौर, सांस्कृतिक शहर जबलपुर और भारत के भौगोलिक केन्द्र ब्रह्मस्थान में स्थित हैं।

जबलपुर का आवासीय परिसर पवित्र नर्मदा नदी के पूर्वी तट पर १५० एकड़ में नवीन निर्मित भवनों में स्थित है। इस परिसर में ४०० छात्रों हेतु आवासीय व्यवस्था के साथ-साथ प्रशासनिक खण्ड, शैक्षणिक खण्ड, छात्रावास, भोजन कक्ष, रसोईघर, तीस हजार वर्गफुट आडिटोरियम, भावातीत ध्यान कक्ष, पुस्तकालय, कम्प्यूटर लैब, शिक्षक आवास, इनडोर एवं आउटडारे खेल सुविधा उपलब्ध हैं। परिसर का कुल निर्मित क्षेत्र लगभग ३००,००० वर्गफुट है। महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय का सिटी कैम्पस लमती विजयनगर जबलपुर में स्थित है जहाँ विश्वविद्यालय के शैक्षणिक भवन एवं प्रशासनिक कार्यालय भी है।

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वालिय का भोपाल परिसर ५० एकड़ में निर्मित है, जो बैरसिया राजमार्ग पर स्थित है। परिसर में एक हजार से अधिक विद्यार्थियों हेतु आवासीय व्यवस्था के साथ साथ प्रशासनिक खण्ड, शैक्षणिक खण्ड, छात्रावास, भोजन कक्ष, आधुनिक रसोईघर, भावातीत ध्यान कक्ष, पुस्तकालय, कम्प्यूटर लैब, शिक्षक आवास, इनडोर एवं आउटडोर खेल सुविधा उपलब्ध हैं। यह परिसर कुल ४००,००० वर्गफुट में निर्मित है।

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय का इन्दौर परिसर राउ में आठ एकड़ क्षेत्र में स्थित है, जो प्रसिद्ध मिलिट्री कैम्पस महू के नजदीक है। इस परिसर में १५० छात्रों की आवासीय व्यवस्था के साथ-साथ प्रशासनिक खण्ड, शैक्षणिक खण्ड, भोजन कक्ष, रसोईघर, भावातीत ध्यान कक्ष, पुस्तकालय, कम्प्यूटर लैब, इनडोर एवं आउटडोर खेल सुविधा उपलब्ध हैं यह परिसर कुल १५०,००० वर्गफुट में निर्मित है।

विश्वविद्यालय का प्रमुख ब्रह्मस्थान परिसर १७७२ एकड़ में फैला हुआ है जहाँ वर्तमान में सभी कार्यालयों के अतिरिक्त ३००० विद्यार्थियों की आवासीय व्यवस्था है। लगभग ५००० विद्यार्थियों का आवासीय परिसर निर्माणाधीन है।

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के परिसर अद्वितीय परिसर हैं क्योंकि यहाँ एक ही परिसर में प्रथमा से विद्यावारिधि तक के वैदिक व आधुनिक पाठ्यक्रमों के साथ साथ रोजगारपरक व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर भुवनेश शर्मा ने बताया कि ''महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा वैदिक विषयों में विद्यावारिधि (पीएच.डी.), स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साइंस), एम.ए. (शिक्षा), आचार्य (योग, ज्योतिष, स्थापत्यवेद, दर्शन) के पाठ्यक्रम, स्नातक पाठ्यक्रमों में बी.सी.ए, बी.बी.ए., बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी. (कम्प्यूटर साइंस), शास्त्री (योग, ज्योतिष, स्थापत्यवेद, दर्शन) के पाठ्यक्रम, पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में पी.जी.डी.सी.ए., पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मार्केटिंग मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फाइनेंशियल मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन, डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में एडवांस डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन, डिलोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन, आधुनिक कार्यालय प्रबंधन, परिधान अभिरचना एवं वस्त्र निर्माण एवं स्वास्थ्य संरक्षण एवं सौंदर्य कला इत्यादि नियमित पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के परिसर भोपाल, इन्दौर, जबलपुर एवं कुछ चयनित

पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के २०० से अधिक एसोसिएट इंस्टीट्यूशन्स में भी उपलब्ध हैं''।

प्रोफेसर शर्मा ने बताया कि ''महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् की मान्यता प्राप्ति के उपरांत जबलपुर में बीएड, डीएड तथा बीपीएड पाठ्यक्रम संचालित हैं।

''महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय का दूरस्थ शिक्षा निदेशालय जबलपुर में स्थापित है। इसके माध्यम से प्रदेश के उन ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा का प्रसार किया जा रहा है जहाँ पर सीमित संसाधन होने के कारण उच्च शिक्षा नहीं मिल पा रही है। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत मध्य प्रदेश के आठ शहरों भोपाल, जबलपुर, पन्ना, छिन्दवाड़ा, मंडला, शाजापुर, इन्दौर और शिवपुरी में विश्वविद्यालय के अधिकृत अध्ययन केन्द्र स्थापित हैं जिनमें दूरस्थ शिक्षा परिषद् से अनापत्ति प्राप्ति के उपरांत बी.ए., बी.कॉम., बी.सी.ए., सी.आई.सी. तथा पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑडियो प्रोग्राम प्रोडक्शन के पाठ्यक्रम संचालित हैं।

''महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय-दूरस्थ शिक्षा परिषद् के कनर्वजेन्स योजना के अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में एम.सी.ए., एम.पी.ए., एम.ए.आर.डी., एम.कॉम., एम.एस. डब्लू., स्नातक पाठयक्रमों में बी.ए., बी.कॉम., बी.एस. डब्ल्यू., बी.एड., पोस्ट ग्रेजुएट डिलोमा पाठ्यक्रमों में पी. जी.डी.एफ.एम., पी.जी.डी.एच.आर.एम., पी.जी.डी.एम., पी.जी.डी.एच.आर.एम., पी.जी.डी.एम., पी.जी.डी.एम.एम., पी.जी.डी.एच.ई., पी.जी.डी.डी.ई., पी.जी.डी.एच.ई., पी.जी.डी.आर.डी., पी.जी.जे.एम.सी., पी.जी.डी.एस.एल.एम., डिलोमा पाठ्यक्रमों में डी.आई.एम., डी.पी.ई., डी.एन.एच.ई., प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों में बी.पी.पी., सी.ओ.एफ., सी. एन.सी., सी.एफ.एन., सी.सी.पी., सी.आर.डी. सी.बी.एस. एवं सी.पी.ई. पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

कुलपति ने कहा कि ''महर्षि विश्वविद्यालय की अनेक जनहितकारी शिक्षा योजनायें हैं जो जीवन परक और रोजगार परक दोनों हैं। विश्वविद्यालय स्ववित्तीय है और सीमित वित्त के कारण धीरे-धीरे उन्नति कर रहा है। विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी, शिक्षक तथा प्रशासनिक कार्यकर्ता महर्षि जी के सतोगुणी समाज की स्थापना और भूतल पर स्वर्ग के अवतरण की अवधारण के साथ पूर्ण मनोयोग से निरन्तर कार्यरत हैं।''

विशविद्यालय के कुलसचिव श्री अरविन्द सिंह राजपूत ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि ''भारतीय शाश्वत् एवम् सनातन वैदिक ज्ञान-विज्ञान की जड़ें अत्यन्त गहरी हैं और यह ज्ञान वटवृक्ष-कल्पवृक्ष सारे विश्व को भारत से ज्ञानफल देने में सक्षम है। भारत का जगद्गुरुत्व विश्व विदित है और अब वह समय दूर नहीं जब भारत का लोहा सारा विश्व पुनः मानेगा।''

वैदिक विश्वविद्यालय में आधुनिक विज्ञान के पाठ्यक्रमों के विषय में कुलसचिव श्री सिंह ने कहा कि ''विश्व में कोई ऐसा विषय या ज्ञान का क्षेत्र नहीं है जिसका आधार वेद और वैदिक वांगमय न हो। **''वेदोऽखिलो धर्ममूलम्''** । सभी आधुनिक भौतिक विषयों का स्त्रोत वैदिक वांगमय ही है । आधुनिक विज्ञान तो स्वान्तः सुखाय और जनमानस को सुख प्रदान करने की दृष्टि से वैदिक ज्ञान की गहराई में जाकर बारम्बार इसे प्रमाणित कर रहा है। महर्षि विश्वविद्यालय में आधुनिक विज्ञान के विषय भी वेद विज्ञान के प्रकाश में अध्यापित हैं जिससे विद्यार्थी इन आधुनिक विषयों को भी बहुत विस्तार से समझ कर पूर्ण दक्षता प्राप्त करता है। ''श्री सिंह ने कहा ''वैदिक और आधुनिक ज्ञान दोनों एक दूसरे के परस्पर पूरक हैं'' उन्होंने विद्यार्थियों का आवाहन् किया कि महर्षि जी द्वारा स्थापित इस विद्यालय में प्रवेश लेकर वे जीवन परक और रोजगार परक-२००% शिक्षा प्राप्त करें।

•web site : www.mmyvv.com •email : mmyvv.de@gmail.com

Maharishi University of Management & Technology

Maharishi University of Management and Technology

Mangla, Bilaspur, Chhattisgarh

CONVERGENCE OF EDUCATION WITH JOB OPPORTUNITES

This summer join job oriented courses offered by –**Maharishi University of Management and Technology (MUMT), Chhattisgarh** in partnership with **Indira Gandhi National Open University (IGNOU), New Delhi.**

Unique opportunity for Parents, Teachers, Students, Housewives, Employed, Educated Unemployed to upgrade skills and knowledge by enrolling in under mentioned job oriented Courses under Convergence Scheme in open distance learning mode.

Sr. No.	Name of Programme	Prog. Code	Eligibility
1.	Bachelor of Arts	BA	10+2 or its equivalent or BPP from IGNOU
2.	BBA in Retailing (with the modular approach) 1yr Diploma, 2yrs. Advanced Diploma 3yrs. BBA in Retailing	BBAR	10+2 or equivalent. Age 18-22 Sponsor can nominate employee. Age relaxation upto 3 yrs based on experience
3.	Bachelor of Computer Application	BCA	10+2 or its equivalent or BPP from IGNOU
4.	Bachelor of Commerce	B.Com	10+2 or its equivalent or BPP from IGNOU
5.	Bachelor of Social Work	BSW	10+2 or its equivalent or BPP from IGNOU
6.	Bachelor of Preparatory Programme	BPP	No formal Qualification.[Min age–18 yrs.]
7.	Certificate in Business Skills	CBS	10+2 or its equivalent
8.	Certificate in Guidance	CIG	Teachers of recognized Institutions or pass in Matriculation/SSC
9.	Certificate in Sericulture	CIS	10 pass or work experience
10.	Certificate in Information Technology	CIT	10th or equivalent
11.	Certificate in Rural Development	CRD	Any degree
12.	Diploma in Management	DIM	Degree with 3 yrs experience or no degree but 6 years work experience.
13.	Diploma in Primary Education	DPE	10+2 with min. 2yrs teaching exp.
14.	Post Graduate Diploma in Distance Education	PGDDE	Any Degree
15.	Post Graduate Diploma in Journalism and Mass Communication	PGJMC	Any Degree with 2yrs exp. In media/communication org.

Note: Medium of Instruction is English. Sr. No. 3, 7, 9, 10, 12, 14, 15 available in Hindi medium also. Duration: Sr. No.1 - 5; (3 yrs. – 6 yrs0 Sr. No. 6 – 12: (6 months - 2 yrs) Sr.No. 13 (2 - 6 yrs). Sr. No. 14, 15: (1-4 yrs) For further details contact: 07752-408863 or visit: www.mumt.com or e-mail: registrar.mumt@gmail.com.

Last date of Admission: 15.07.2010

REGISTRAR

Maharishi University of Management & Technology

Maharishi University of Management and Technology, Chhattisgarh

has been included in the list of
Private Universities maintained by the UGC

In an exclusive interview to Maha Media News Services, Brigadier (Retd.) Balram Singh Mehta, Vice–Chancellor, Maharishi University of Management and Technology (MUMT), Chhattisgarh informed that "the name of the University has been included in the list of Private Universities maintained by the UGC and also put on UGC website."

He also added that "Maharishi University of Management and Technology, Bilaspur Chhattisgarh has been established in 2002 by Act (No. 10 of 2002) of State Legislature of Chhattisgarh as a State University and is empowered to award degrees as specified by the UGC under section 22 of the UGC Act 1956. Maharishi University of Management and Technology is providing a unique combination of modern course work in Modern Management, Computer Science and at the same time, enlivening all branches of Indian Vedic Literature in mainstream of education.

"Main campus of the University is being built at Mangla, Bilaspur. The Campus will have several buildings in due course of time i.e. administrative block, Computer and IT centre, Library, Academic buildings, Auditorium, Indoor and Outdoor Recreation Centre, faculty residence, Students hostels, Swimming pool, and Parking lot.

Besides main campus at Bilaspur, distance education study centers have been established at Raipur, Raigarh and Durg. Several other study centers are also under process of establishment."

Answering to the question of the expansion plan of the University Brigadier Mehta said that

" MUMT, Chhattisgarh in partnership with Indira Gandhi National Open University (IGNOU), New Delhi is offering 15 job oriented courses *(Bachelor of Arts, BBA in Retailing (with the modular approach), BBA in Retailing, Bachelor of Computer Application, Bachelor of Commerce, Bachelor of Social Work, Bachelor Preparatory Programme, Certificate in Business Skills, Certificate in Guidance, Certificate in Sericulture, Certificate in Information Technology, Certificate in Rural Development, Diploma in Management, Diploma in Primary Education, Post Graduate Diploma in Distance Education, Post Graduate Diploma in Journalism and Mass Communication)* from session 2010-2011. This is a unique opportunity for Parents, Teachers, Students, Housewives, Employed, Educated Unemployed to upgrade skills and knowledge by enrolling in job oriented Courses under Convergence Scheme in open distance learning mode. MUMT is also planning to open its campuses in all the districts of Chhattisgarh and to run all courses in different discipline up to Ph.D. level."

महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेण्ट एण्ड टेक्नॉलॉजी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित मान्यता प्राप्त निजी विश्वविद्यालयों की सूची एवं वेब साइट में सम्मिलित

महा मीडिया भोपाल को दिये गये एक विशेष साक्षात्कार में महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेण्ट एण्ड टेक्नॉलॉजी, बिलासपुर छत्तीसगढ़ के कुलपति ब्रिगेडियर बलराम सिंह मेहता ने बताया कि महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेण्ट एण्ड टेक्नॉलॉजी, बिलासपुर छत्तीसगढ़ को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित मान्यता प्राप्त निजी विश्वविद्यालयों की सूची एवं वेब साइट में सम्मिलित कर लिया गया है।

उन्होंने आगे यह भी बताया कि महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेण्ट एण्ड टेक्नॉलॉजी, बिलासपुर छत्तीसगढ़ की स्थापना वर्ष २००२ में छत्तीसगढ़शासन के अधिनियम १० – वर्ष २००२ के अंतर्गत निजी विश्वविद्यालय के रूप में हुई एवं यह विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम १९५६ की धारा २२ के अंतर्गत संवैधानिक निजी विश्वविद्यालय है। महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेण्ट एण्ड टेक्नॉलॉजी, बिलासपुर छत्तीसगढ़ की विशेषता यह है कि यह पारम्परिक आधुनिक प्रबन्धन एवं विज्ञान के साथ साथ भारतीय वैदिक विज्ञान को आधुनिक शिक्षा पद्धति में समाहित कर शिक्षा की विभिन्नशाखाओं को पूर्णता प्रदान कर रही है।

विश्वविद्यालय का भव्य परिसर ६० एकड़ भूमि में निर्माणाधीन है। विश्वविद्यालय का शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवन के निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवन के साथ साथ अत्याधुनिक कम्प्यूटर लैब, पुस्तकालय एवं सुविधा युक्त अध्ययन कक्ष, सभागार, आभ्यंतरिक एवं बाह्य मनोरंजन केन्द्र, तरन–ताल केन्द्र, प्राध्यापक आवास एवं आवासीय छात्रावास निर्माणाधीन है।

महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेण्ट एण्ड टेक्नॉलॉजी वर्तमान में रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़ एवं दुर्ग में चार नियमित परिसर संचालित कर रहा है।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विस्तार कार्यक्रमों से सम्बंधित प्रश्नों का उत्तर देते हुए ब्रिगेडियर मेहता ने मीडिया को बताया कि महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नॉलॉजी बिलासपुर छत्तीसगढ़ एवं इन्दिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) नई दिल्ली, के परस्पर सहयोग से कन्वरजेन्स स्कीम के तहत अभिभावकों, स्कूल टीचर्स, विद्यार्थियों, घरेलू महिलाओं, रोजगार प्राप्त युवा एवं पढ़े लिखे बेरोजगारों को अपने ज्ञान एवं कुशलता को बढ़ाने के लिए दूरस्थ शिक्षा के अंतर्गत १५० पाठ्यक्रम सत्र २०१०–११ में प्रारम्भ कर रहा है।

विश्वविद्यालय के विस्तार की भावी योजनाओं के बारे में ब्रिगेडियर मेहता ने बताया कि विश्वविद्यालय भविष्य में छत्तीसगढ़ राज्य के सभी जिलों में अपने नियमित परिसर खोलने एवं साथ ही साथ कई महत्त्वपूर्ण विषयों में पीएचडी स्तर तक की उपाधि प्रदान करने की योजना बना रहा है।

- **बैचलर ऑफ आर्ट, बैचलर ऑफ बिजनेस एप्लीकेशन, बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन, बैचलर ऑफ सोशल वर्क, बैचलर ऑफ प्रीपेरेटरी प्रोग्राम, सर्टिफिकेट इन बिजनेस स्किल्स, सर्टिफिकेट इन गाइडेन्स, सर्टिफिकेट इन सेरीकल्चर, सर्टिफिकेट इन इन्फॉरमेशन टेक्नॉलॉजी, सर्टिफिकेट इन रुलर डेवलपमेंट, डिप्लोमा इन मैनेजमेंट, डिप्लोमा इन प्राइमरी एजुकेशन, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डिस्टेन्स एजूकेशन, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन जर्नलिज्म एण्ड, मास कम्यूनिकेशन**

Maharishi Vidya Mandir

Public Schools on C.B.S.E. Course Pattern*

Through Consciousness based–Unified Field based Integrated System of Ideal Education life everywhere will be ideal. No one will make mistakes, no one will violate the laws of nature, and no one will suffer or fall sick. Life will be long and happy, and the individual and society will rise to immortality. In Unified Field based Civilization, mankind will enjoy Heaven on Earth. —Maharishi

Maharishi Shiksha Sansthan, a registered society, is presently running 148 Maharishi Vidya Mandir Schools with approximately 1,00,000 students in 16 states following the Central Board of Secondary Education Course pattern.

The objective of these schools is to introduce Maharishi's Consciousness-based Education in the main stream of education for the holistic development of an individual's personality.

Scientific discoveries have shown that the potential of every child is infinite, the educational approach of Maharishi Vidya Mandir is to develop the full brain potential by enlivening consciousness, the most fundamental field of everyone's life through the knowledge and experience of Maharishi's Vedic Science. With Maharishi's System of Education, the students gain a natural orderliness and coherence; they become more receptive to knowledge; they exhibit greater alertness; and they radiate bliss and friendliness to their classmates and their teachers.

SALIENT FEATURES OF MAHARISHI VIDYA MANDIR

- Day/Residential *1 schools for boys & girls
- Use of audio-visual aids and modern methods of teaching
- General knowledge session
- Reporting and discussing with parents on the progress and welfare of students
- Excursions and educational visits within India and abroad.
- Regular practice of Yog, Transcendental Meditation and advance programmes
- Knowledge and practice of Maharishi Vedic Science such as Maharishi Ayurved, Maharishi Gandharva Ved, Maharishi Jyotish, Maharishi Sthapatya Ved etc.
- Maharishi inter school competitions in different subjects
- Buildings constructed as per Vastu Vidya-getting better support of Laws of Nature for students and staff
- Comfortable bus service available

For further information please contact at following numbers:

National Camp Office: MCEE, Lamba Khera, Berasiya Road, Bhopal (M.P.) Ph: 0755-2742266, 2742255

email: mvm@mahaemail.com website: www.maharishividyamandir.com

Andhra Pradesh: Hyderabad– 040-23113196, 23111629, Assam: Guwahati-I – Silpukhuri– 0361-2662559, 2660820, II – Chandmari– 0361-2453536, III – Sixmile– 0361-2262806, IV – Barsajai– 0361-2304884, V – Kalipur– 0361-2606715, Jorhat– 0376-2309817, Karimganj– 03843-260334, Silchar– 03842-242992, Tangla– 03711-254110, Tezpur- 03712-230727 Chhattisgarh: Ambikapur– 07774-203101, Bilaspur-I – Mangla– 07752-407882, 400884, II - Rajendra Nagar– 07752-220965, III – Gandhi Chowk– 07752-400557, Durg– 0788-2292261, Jagdalpur– 07782-264906, Raigarh– 07762-9203904424, Raipur-I – Tatibandh– 0771-2572399, II - G.E. Road– 0771-4060807, Gujrat: Porbandar– 0286-2215813, Himachal Pradesh: Daulatpur Chowk– 01976-265745, Dharamshala– 01892-275576, Kangra– 01892-265586, Nadaun– 01972-233709, Haryana: Ambala– 0171-2611376, Bahadurgarh– 01276-234458, Bawal– 01284-260223, Gurgoan– 0124-2015711, Hissar– 01662-323955, Jind– 01681-245112, Kurukshetra-I – Sanwla– 01744-275646, II – CIA Staff Colony– 01744-225321, Yamunanagar-I – Jagadhari– 01732- 242080, 247627, III – Nitya Nand Building– 01732-234694, Jammu & Kashmir: Jammu– 0191–2464121, 2481242, Kathua– 01922-202384, Karnataka: MCE, Bangalore– 080-27282850, 27282895, Chikmanglore– 08262-224063, Gulbarga– 08472-265242, Kolar– 08152-224640, Kerala: Shoranur– 0466-2220794, Maharastra: Bhandara– 07184-256814, Tumsar– 07183-232436, Wardha– 07152-250228, 561620, Yavatmal– 07232-237123, Madhya Pradesh: Balaghat– 07632-260096, Berasia– 9893787756, Bhopal MCEE– 0755-2742935, 2742938, Bhopal-I – Ratanpur– 0755-4000626, II – Kalpana Nagar– 0755-2750757, 4000630, III – Ayodhya Nagar– 0755-2628393, Birsingpur– 07655-262551, Chhatarpur– 07682-241517, Chindwara– 07162-226100, Damoh- 07812-225384, Dhar– 07292-235977, Hatta– 07604-262782, Indore– 0731-6464518, 4064931, Itarsi– 07572-234749, Jabalpur-I – Narmada Road– 0761-2665888, 4016659, II – Napier Town– 0761 2411124, 4004988, III – Adhartal– 0761-4083424, IV – Sanjeevani Nagar– 0761-4048522, V – Vijay Nagar– 0761-2641468,
VI – Shashtri Nagar– 9893289921, Katni– 07622-235655, Khargone– 07282-241141, Maihar– 07674-232422, Mandla – 07642-260338, Morena– 07532-231502, Narsingpur– 07792-233676, Obaidullaganj– 07480-224462, Panna– 07732-253769, Raisen– 9425145617, Rewa– 07662-408167, Sagar– 07582-271165, Seoni– 07692-228060, 220310, Shahdol– 07652-245932, Shajapur– 07364-229018, Siddhi– 07822-280666, Shivpuri– 07492-280567, Tikamgarh– 07683-245441, Orissa: Angul– 06764-232353, Balasore– 06782-251402, 263917, Bhubneshwar– 0674-2385832, Cuttack– 0671-2319803, Nayagarh– 06753-252280, Rayagada– 06856-222404, Rajasthan: Jaisalmer– 02992-258413, Tamilnadu: Chidambaram– 04144-221324, Rajapalayam– 04563-226471, Thanjavur– 04362-279661, Tiruvannamalai– 04175-224842, 294537, Uttar Pradesh: Aligarh Main Agra Road– 0571-3291658, I – Ramghat Road– 0571-2740556, II – Pala Road– 0571-2412510, Allahabad George Town– 0532-2468100, Kalindipuram– 0532-2431292, Naini– 0532-2697029, Azamgarh– 05462-223915, Badaun– 05832-268679, Barabanki– 05248-250282, Bareilly– 9319941715, Basti– 05542-9335620017, Faizabad– 05278-265632, Fatehpur– 05180-223100, Gonda – 05262-231698, Gorakhpur– 0551-2322176, Hamirpur– 05282-222009, Hardoi– 05852-235106, Kanpur-I – Naubasta– 0512-3565602, II – Azad Nagar– 0512-2560859, Lucknow– 0522-2727077, Maharishi Nagar– 0120-2567705, Mankapur– 05265-230406, Meerut– 0121-2620360, Modinagar– 01232-9219426417, 254315, Noida– 0120-2500117, 2430447, Orai– 05162-250302, Raebareli– 0535-2203723, Rampur– 0595-2353254, Shahganj– 9415651035, Shahjahanpur– 05842-223566, Sitapur– 05862-220182, Sultanpur– 05362-240070, Uttaranchal: Almora– 05962-233643, Bageshwar– 05963-220378, 220122, Barichina– 05962-261046, Berinag– 05964-244937, Bhowali– 05942-220346, Dehradun– 0135-2773660, Haldwani– 05946-234564, Haridwar– 01334-212056, Kashipur– 05947-278886, Khatima– 05943-251162, Kotdwar– 01382-223056, Lohaghat– 05965-234774, Pithoragarh– 05964-256058, 225747, Ranibagh– 05946-244371, Rudrapur– 05944-280237, Uttarkashi– 01374-222694,

* Some schools are also affiliated to State Education Board.

*1 Only at MVM, Ratanpur, Bhopal and MCEE Bhopal, MCE Bangalore, MVM Jabalpur Narmada Road, MVM Jabalpur Vijay Nagar

Maharishi Vidya Mandir Schools Group

ACHIEVEMENTS OF MAHARISHI VIDYA MANDIR SCHOOLS

Academic Achievements - Academic Year 2009-2010

Class X

MVM Bhandara

Academic Achievement Class X

Student Name		Percentage
• RIYA KHANDELWAL	-	96.00
• ANKIT LAHOTI	-	95.40
• MALLIKA BHALGAT	-	95.20
• VATAN MEHAR	-	94.00
• POONAM PALANDURKAR	-	93.80
• PRATAP KHAPARDE	-	91.80
• VIBHUTI SHARMA	-	90.80
• RHUTUJA RATHI	-	90.20

MVM Sitapur

Academic Achievement Class X

Student Name		Percentage	Student Name		Percentage
• Priyamvada Singh	-	94%	• Anand Pratap Singh	-	94%
• Anil Saroj	-	90%	• Divyani Shrivastava	-	90%
• Mamta Singh	-	90%	• Rishabh Pandey	-	90%

MVM Yamuna Nagar

Academic Achievement Class X

Students Name		Grade
• Sakshi	-	9.4
• Mayank Saini	-	9.4
• Mehul,	-	9.2
• Simran	-	9.2
• Mayank Khetarpal,	-	9.0
• Harmohinder,	-	9.0
• Kulwinder,	-	9.0
• Harpreet,	-	9.0
• Ankit	-	9.0

MVM Kangra

Academic Achievement Class X

• Sugandha Sharma secured 1st position in school with 85%marks

MVM Naini, Allahabad

Academic Achievement Class X

• Anand Bajpai secured 98% • Ashish Tiwari 96% and • Abhishek secured 90.24%.

MVM Silchar

Academic Achievement Class X

Student Name	Grade	Student Name	Grade
• Keshab Ch. Das	9.8	• Binayak Gupta	9.2
• Sarbani Roy	9.8	• Biswadeep Bhattacharjee	9.2
• Shreyashi Bhattacharjee	9.8	• Debopom Bhattacharjee	9.2
• Sunandan Roy	9.8	• Iwdranuj Kar	9.2
• Kunwar Dhruva	9.6	• Kishore Ghosh	9.2
• Pamela Gautam	9.6	• Samadrita Paul Choudhury	9.2
• Saheli Paul	9.6	• Sneha Kar	9.2
• Sashi Sekhar Yadav	9.6	• Sneha Maurjya	9.2
• Sunney Mazumdar	9.6	• Sreeparna Bhattacharjee	9.2
• Thony Roy	9.6	• Sunita Sinha	9.2
• Aastra Shah	9.4	• Ankita Ghosh	9.0
• Ankhimita Paul Choudhury	9.4	• Prashant Baid	9.0
• Soumyashree Nath	9.4	• Sangram Das	9.0
• Aditi Paul	9.2	• Saurav Bhattacharjee	9.0
• Ankita Jalan	9.2		

MVM Kalindipuram

Academic Achievement Class X

English (Grade A 1)

• Pooja Singh • Shakshi Krishna

Hindi (Grade A 1)

• Pooja Singh • Abhishek Singh • Kshitiz Srivastava • Mohit Srivastava • Prasoon Dwivedi

Maths(Grade A 1)

• Pooja Singh • Deepa Sharma • Monika Pandey • Abhishek Singh • An:mcsh Rawat • Wasim Khan • Kshitij Srivastava • Prasoon Dwivedi • Rachit Sharma

Science(Grade A 1)

• Pooja Singh • Abhishek Singh • Animesh Rawat • Kshitij Srivastava • Prasoon Dwivedi • Rachit Sharma

S.Science (Grade A 1)

• Pooja Singh • Abhishek Singh • Akanksha Singh

IT(Grade A 1)

• Pooja Singh • Divyanshu Srivastav • Gaurav Pal • Abhishek Singh • Animesh Rawat • Manav Srivastava • Kshitij Srivastava • Prasoon Dwivedi • Rachit Sharma • Akanksha Singh • Madiha Fuzal • Ratna Jaiswal • Sakshi Krishna • Shruti Tiwari • Aditya Sonkar • Ambuj Singh • Anmol Kesharwani

Overall School Toppers

• **Pooja Singh** (CGPA - 10)

Miss Pooja Singh got A 1 grade in all subjects in the All India Secondary School Examination 2010.

• Prasoon Dwivedi (CGPA - 9.6) • Kshitij Srivastava (CGPA - 9.6) • Abhishek Singh (CGPA - 9.4)

ACHIEVEMENTS OF MAHARISHI VIDYA MANDIR SCHOOLS

Academic Achievements - Academic Year 2009-2010

Class XII

MVM Haldwani

Academic Achievement Class XII

• **Ananta Joshi** has secured 95% marks in class XII examination. She has got 2nd position in the state and got 2nd position in Kumaun level & 1st position in city level.

MVM Yamuna Nagar

Academic Achievement Class XII

• **Sahil Kumar** secured 93% marks • **Gautam Sharma** secured 82% marks
• **Suneet Langar** secured 78.8% marks

MVM Sitapur

Academic Achievement Class XII

• **Nikhil Mahendra** secured 90% marks.
• **Vivek Rastogi** secured 87% marks.
• **Ku. Somya Mishra** secured 84% marks.

MVM Kurukshetra

Academic Achievement Class XII

• **Miss kratika** secured 91.40% marks • Miss Ramneet kaur secured 83% marks
• **Amit pal** secured 82.40 % marks

SELECTION OF MVM STUDENTS IN DIFFERENT COMPETITIVE EXAMS 2009 — 2010

MVM - 1 Guwahati

• **Pranat Kashyap** got 3rd prize in an Inter School Assamese Poem Recitation Competition in book fair at Guwahati.

IOC Kendriya Vidyalaya Narengi celebrated silver jubilee year and conducted various events among the school students of Greater Guwahati.

• **Mridugunjan Deka** got 1st prize in Essay Writing Competition.
• **Pranat Kashyap** got 2nd prize in Essay Writing Competition.
• **Noiranjana Baruah** got 2nd in Self Composed Poem Competition.
• **Monalisa Gautam** got 2nd prize in Classical Dance Competition.

Pranat Kashyap

MVM Kangra

Students of MVM Kangra got First & Second Prize in Debate Competition Organised by Archaeological Survey of India

Students of MVM Kangra got First Prize in Dance Competition Organised by Archaeological Survey of India

MVM Guwahati-1

MVM SCHOOLS HONOURS, AWARDS & CELEBRATION

MVM Guwahati-1, 100% attendance award 2009. Total 45 no. of students received the award

The Best Class Award 2009 has been awarded to class IX B on the first day of the session 2010-11. The Principal MVM Guwahati-1 handed over the trophy to the students and the class teacher.

One of our teachers Mrs. Mrinali Chowdhury, MVM Guwahati-1 has left for USA to attend the International Leaders in Education Programme 2010 of the International Bureau of Educational and Cultural Affairs, US Department of State and implemented by IREX.

Bihu festival has been celebrated in the school Campus on the eve of ***Bohag (Baishakh)*** *Bihu* Students perform ***Bihu*** dance and song, The ***Bihu*** flag was hoisted by The Principal MVM Guwahati-1

MVM Tezpur

MVM SCHOOLS HONOURS, AWARDS & CELEBRATION

MVM Tezpur, Students are performing BIHU Dance on the occasion of Annual Day 2010

MVM Tezpur, Students are presenting Krishna Leela on the occasion of Annual Day 2010

Guest, Parents and Guardians witnessing of programme occasion of Annual Day 2010

March by students of MVM Tezpur to create awareness on World Environment Day

Web Site: www.maharishividyamandir.com

Maharishi Centre for Educational Excellence

Maharishi Institute of Management

(A Campus with KG to Post Graduate Level Education)

Let us mould your Children's future and prepare them for leadership in the world

ABOUT US

MCEE-MIM Bhopal was established in order to offer value-based education to young generation. It offers KG to Post Graduate level education on one campus. MIM also has its branch campuses at Banglore, Chennai, Hyderabad, Indore and Noida (Near Delhi)

Courses Offered

Nursery, KG, I to XII
(Affiliated to CBSE, New Delhi)
BBA, BCA, MBA, B.Ed. & B.P.Ed.
Affiliated to Bhopal University
MCA affiliated to M.P. Technical University

- Lush green, serene, peaceful, pollution free, half a million square feet, fully air-conditioned campus built according to Vastu Vidya, spread over 48 acre land.
- Spacious, hygienic and secure hostel facility separately for boys and girls.
- Daily practice of Yog, Maharishi's Transcendental Meditation and knowledge of Maharishi's Vedic Science and Technology.
- Well-equipped science lab and state of the art computer lab with 24 hours high speed internet connection & training software.
- Well-stocked library with reference books, vedic books and journals.
- Modern teaching methods and aids for concept clarity of various subjects.
- Hobby clubs - Vedic Science, Sports, Music, Health fitness, Organic Agriculture and Horticulture.
- Comfortable efficient bus service.
- Extended Campus hours for maximum interaction between teachers and students.

Locations of Maharishi Institute of Management in India

- Bangalore : 080 -7282850,7282894
- Bhopal : 0755 -2742936, 2742116
- Indore : 0731-2857168
- Maharishi Nagar : 0120 -2562655, 0120 - 2567603
- Hyderabad : 040 -27762703, 27760707
- National Office : 011-23739908, 23739909

FOR FURTHER INFORMATION ON ADMISSIONS, CONTACT US

MCEE-MIM Campus, Lambakheda,
Berasia Road, Bhopal -18 (M.P.)
Ph: 0755-2742935,36,38, 2742116 2747380, 2854367
Fax : 0755-2742937

- E-mail : mimbhopal@yahoo.co.in, mim@mahaeamil.com, principalmcee@rediffmail.com, mcee@mahaemail.com
- visit us: www.maharishiinstituteofmanagement.com and www.mceeindia.com

Maharishi Institute of Vedic and Management Sciences

Maharishi Mahesh Yogi

Maharishi Institute of Vedic and Management Sciences

Associate Institution of

Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya, (M.P.)

[Recognised by UGC Under Section 2 (F)]

Be Student of MIVMS with Pride

MIVMS is part of Maharishi Global Educational Movement spread over 100 countries. In India MIVMS is part of Educational Organisations having 2,50,000 Students and 10,000 Faculty/Teacher/Administrative and support staff having presence in 250 districts.

Available Courses

- **Degree Courses:** B.A., B.Com., B.B.A., B.C.A.
- **Vedic Shastri Courses:** Jyotish, Sthapatya Ved (Vastu Shashtra)
- **Diploma Courses:** PGDCA (2 Semester), ADCA (2 Semester), DCA (2 Semester)
- **Certificate Courses:** Maharishi Vedic Science - Introduction, Yog, Jyotish, Sthapatya Ved (Vastu Shastra), Maharishi Vedic Swasthya Vidhan, Modern Office Management

Admissions Open for year 2010-2011 Session

22 BRANCHES ALL OVER MADHYA PRADESH

For further information, Courses, prospectus and admission, please contact:

ADMINISTRATIVE OFFICE: BHOPAL- PHONE:0755-4276775 • BRANCHES: BHOPAL (RATANPUR)- PHONE: 9981993490, 9981993690 • BHOPAL (BERASIA)- PHONE: 07565-689696, 9981993697 • BALAGHAT- PHONE: 07632-240605, 9981993696 • CHHATARPUR- PHONE: 9981993491 • CHHINDWARA- PHONE: 9981993492 • DAMOH- PHONE: 9981993493 • JABALPUR (2 BRANCHES) - (I) NAPIER TOWN, OPP. MVM SCHOOL, PHONE: 0761-4011593, 9981993691 (II) NEAR RAMPUR CHOWK, PHONE: 0761-4016659, 9981993695 • KATNI- PHONE: 07622-235655, 9981993698 • MAIHAR (SATNA)- PHONE: 9981993497 • MANDLA- PHONE: 07642-260338, 9981993694 • KHARGAON- PHONE: 9981993498 • MORENA- PHONE: 9981993499 • NARSINGHPUR- PHONE: 9981993500 • OBAIDULLAGANJ (RAISEN)- PHONE: 07480-224462, 9981993699 • PANNA- PHONE: 9981993501 • SAGAR- PHONE: 9981993502 • SEONI- PHONE: 9981993503 • SHAHDOL- PHONE: 9981993504 • SHAJAPUR- PHONE: 9981993505 • SHIVPURI- PHONE: 9981652548 • TIKAMGARH- PHONE: 9981993507.

•web site: www.mivms.com •email: mivms@mahaemail.com

महर्षि ज्योतिष की दृष्टि में-जून माह

जून मास का विस्तार ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्थी मंगलवार (1 जून) संवत् 2067 विक्रमी से आषाढ़ कृष्ण चतुर्थी बुधवार (30 जून) संवत् 2067 विक्रमी तक है। जून 2010, ज्योतिषीय घटनाओं परिपूर्ण है। धार्मिक दृष्टि से इस माह में विशिष्ट व्रत–पर्व–त्यौहारों में से शीतलाष्टमी, अचला एकादशी, प्रदोष द्वादशी, वट सावित्री व्रत, शनैश्चरी अमावस्या, श्री गंगा दशहरा, श्री भीमसेनी एकादशी (निर्जला), दाक्षिणात्यों का बट सावित्री व्रत आदि। पूर्ण सूची नीचे चक्र में दी गई है। गत 25 मई से प्रारम्भ हुआ नौतपा 3 जून को समाप्त होगा। लेकिन गर्मी की गम्भीरता सूर्यदेव के मृगशिरा प्रवेश के बाद भी चालू रहेगी। सूर्य मृगशिरा नक्षत्र में 8 जून से भ्रमण करेंगे। मिथुन राशि में सूर्य की संक्रान्ति 15 जून 2010 को होगी। ग्रीष्म ऋतु की दो मास की अवधि में सूर्य की स्थिति वृष एवं मिथुन राशि में होती है। जब सूर्य का संक्रमण कर्क राशि (17 जूलाई 2010) में होगा, तभी से वर्षा ऋतु का प्रारम्भ होता है।

इस माह में दिनाँक 26 जून ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा को खण्डग्रास चन्द्र ग्रहण भारत में पूर्वी भारत के अरूणाचल, मेघालय, नागालैण्ड, मिजोरम, त्रिपुरा, मणिपुर, असम, सिक्किम, भूटान, पूर्वी बिहार और पश्चिम बंगाल में सांयकाल के समय ग्रस्तोदय के रूप में दिखाई देगा। इस ग्रहण का प्रारम्भ भारतीय स्टैन्डर्ड समय में 15 धंटा 47 मिनट, मध्य 17 घंटा 08 मिनट, मोक्ष – 18 घंटा 30 मिनट में होगा। यह ग्रहण पूर्वी भारत में स्थित अरूणाचल आदि प्रदेशों में ही सांयकाल के समय ग्रस्तोदय के रूप में थोड़ी ही देर के लिये दिखाई पड़ेगा। जहाँ यह ग्रहण ग्रस्तोदय के रूप में दृश्य होगा, उन प्रदेशों के कुछ प्रसिद्ध नगर इस प्रकार है– गुवाहाटी (असम), डिब्रूगढ़ (असम), तेजपुर (असम), तिनसुकिया (असम), ईटानगर (अरूणाचल प्रदेश), बोम्डिला (अरूणाचल प्रदेश), अगरतला (त्रिपुरा), कोहिमा (नागालैण्ड), मोकोकचुंग (नागालैण्ड), शिलांग (मेघालय), बाघमारा (मेघालय), ऐजावल (मिजोरम), चम्पई (मिजोरम), इम्फाल (मणिपुर), थिम्पू (भूटान), गंगटोक (सिक्किम), कूच बिहार (प. बंगाल) दार्जिलिंग (पं बंगाल) शिलीगुड़ी (पं बंगाल), कटिहार (बिहार), धनबाद (झारखण्ड), आदि।

ध्यान रहे– जहाँ ग्रहण दृश्य नहीं होता, वहां पर्व भी नहीं माना जाता। इसलिये वहां स्नान–दान–जप का कोई महत्व भी नहीं होता।

चन्द्रग्रहण का सूतक– जहाँ यह ग्रहण दृश्य होगा वंहा इस ग्रहण का सूतक 26 जून 2010 ई. को प्रातः 6:47 बजे पर ही शुरू हो जायेगा।

ग्रहण का राशिफल–यह ग्रहण मूल नक्षत्र एवं धनुराशि में घटित हो रहा है। अतः मूल नक्षत्र एवं धनुराशि वाले व्यक्तियों के लिये यह ग्रहण विशेष रूप से कष्टप्रद रहेगा।

विभिन्न राशि वाले व्यक्तियों के लिये इस ग्रहण का फल निम्न प्रकार है।

जन्म राशि/राशिनाम	फल	जन्म राशि/राशिनाम	फल
मेष	अपमान	तुला	धनलाभ
वृष	मृत्यु तुल्य कष्ट	वृश्चिक	हानि
मिथुन	स्त्री/पति कष्ट	धनु	दुर्घटना
कर्क	सुख	मकर	हानि
सिंह	चिन्ता	कुम्भ	लाभ
कन्या	कष्ट	मीन	सुख

जून माह में पड़ने वाले व्रत पर्व त्यौहारों की सूची

क्रमांक	व्रत–पर्व–त्यौहार	मास	पक्ष	तिथि	दिनाँक
1.	नौ तपा समाप्ति	ज्येष्ठ	कृष्ण	षष्ठी	3.06.2010
2.	शीतला अष्टमी	ज्येष्ठ	कृष्ण	अष्टमी	5.06.2010
3.	अचला एकादशी	ज्येष्ठ	कृष्ण	एकादशी	8.06.2010
4.	प्रदोश व्रत	ज्येष्ठ	कृष्ण	द्वादशी	9.06.2010
5.	वट सावित्री व्रत	ज्येष्ठ	कृष्ण	अमावस्या	12.06.2010
6.	महारणा प्रताप जयन्ती	ज्येष्ठ	शुक्ल	चतुर्थी	15.06.2010
7.	वैनायकी गणेश चतुर्थी	ज्येष्ठ	शुक्ल	चतुर्थी	15.06.2010
8.	श्री गंगा दशहरा	ज्येष्ठ	शुक्ल	दशमी	21.06.2010
9.	निर्जला (भीमसेनी) एकादशी	ज्येष्ठ	शुक्ल	एकादशी	22.06.2010
10.	प्रदोष व्रत	ज्येष्ठ	शुक्ल	द्वादशी	23.06.2010
11.	संत कबीर जयन्ती	ज्येष्ठ	शुक्ल	पूर्णिमा	26.06.2010
12.	दाक्षिणात्यों बट सावित्री	ज्येष्ठ	शुक्ल	पूर्णिमा	26.06.2010
13.	पूर्वी भारत में खण्डग्रास चन्द्रग्रहण	ज्येष्ठ	शुक्ल	पूर्णिमा	26.06.2010
14.	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी	ज्येष्ठ	शुक्ल	चतुर्थी	29.06.2010

पंचक विचार– दिनाँक 3 जून प्रातः 9.46 बजे से पंचक प्रारम्भ होकर दिनाँक 8.06.2010 को प्रातः 8.01 बजे पंचक समाप्त होगा।

मास–प्रभाव– ग्रीष्म में गर्मी की अधिकता से जन–जीवन त्रस्त रहेगा। मूल्यवान् धातुऐं एवं खाद्य पदार्थ महंगे होगें। कही आतंकवाद एवं दुर्घटना के कारण जनहानि होगी। ध्यान–साधना, आध्यात्मिक चिन्तन से शांति मिलेगी।

पंडित विजय द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य

ग्रीष्म ऋतुचर्या – इस वर्ष 15 मई 2010 से 17.07.2010 तक ग्रीष्म ऋतु रहेगी। ग्रीष्म ऋतु में मधुर रस युक्त स्निग्ध, शीतल, पचने में हल्के, द्रव रूप, पतला पदार्थ सेवन, शर्बत सत्तू, दूध, दही, शालि चावल, चांदनी में शयन, दिन में विश्राम, चंदन लेप, फल एवं शीतल जल का पान अति हितकर है।

ग्रीष्म ऋतु में वर्जनीय पदार्थ

कटु क्षार, नमकीन व खट्टा रस से युक्त द्रव्यों का सेवन करना, अधिक देर धूप में रहना, खाली पेट धूप में घूमना, अधिक परिश्रम करना वर्जित है अतः इन सबको त्याग देना चाहिए।

"जय गुरु देव","जय महर्षि"

वैद्यराज
पं. रामचेत उपाध्याय

Veda Series

वेद माता-देवी गायत्री
श्री गायत्री सहस्रनाम स्तोत्रम्

देवी गायत्री वेद माता हैं। वेद का अर्थ है ज्ञान। गायत्री देवी सम्पूर्ण ज्ञान का स्त्रोत हैं, वे ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी हैं। उनका दिव्य प्रकाश भक्तों पर पूर्ण ज्ञान और पूर्ण क्रिया शक्ति की वर्षा करता है।

गायत्री सहस्रनाम गायत्री देवी के 1000 गुण हैं। उनका प्रत्येक नाम चेतना के एक–एक गुण को दर्शाता है और अत्यन्त महिमाकारी है। सहस्रनाम का पाठ करने वाले या श्रवण करने वाले की चेतना में तथा वातावरण में गायत्री जी के इन सभी गुणों का जागरण होता है।

श्री गायत्री अष्टोत्तरशतनामावली में गायत्री देवी के 108 नाम हैं। इन नामों का उच्चारण करते हुए गायत्री देवी की पुष्पार्चना की जाती है। श्री गायत्री अष्टकम् एक सिद्ध स्तोत्र है जो आनन्द और मनोवांछित फलदायक है।

फलश्रुति के अनुसार गायत्री सहस्रनाम तथा स्तोत्रों का पाठ या श्रवण करने से वेद माता के दिव्य प्रकाश से भक्तों को शुद्ध ज्ञान की प्राप्ति होती है तथा उनमें ज्ञान पर आधारित अनन्त क्रिया शक्ति की जागृति होती है। शुक्रवार श्री गायत्री देवी का दिन माना गया है अतः शुक्रवार के दिन गायत्री देवी के स्तोत्र और सहस्रनाम सुनने की अनुशंशा की जाती है।

Ved Mata - Devi Gayatri

Devî Gâyatri is Ved Mâtâ. Ved means knowledge. Devi Gâyatri is Mother of all knowledge–source of all knowledge, embodiment of pure knowledge. Her divine light bestows upon the aspirants, complete knowledge and total organising power. Gâyatri Sahasranâm-1000 names describe 1000 qualities of Gâyatri. Each name of Ved Mâtâ Gâyatri refers to a quality of consciousness. Listening Sahasranâm enlivens these qualities of Gâyatri Devi in the consciousness of the listener and at the same time, these qualities are charged in the environment.Shri Gâyatri Ashtottarshatnâmâvali has 108 names of Gâyatri. These names are a few of the most important qualities, which may be chanted while offering pink lotus flowers to Gâyatri Devi. Shri Gâyatri Ashtak Stotram is a Siddha Stotra, which brings complete fulfillment and joy to the listener. As described in phalshruti-benefits of chanting Sahasranâm and stotras of Ved Mâtâ Gâyatri, Devotees receive divine light of pure knowledge and achieve infinite organizing power. Friday is known to be the day of Gâyatri Devi. It is recommended to listen Sahasranâm and other stotras of Gâyatri Ji on Friday.

Vedic Arts & Crafts Promotions
A-116, Defence Colony, New Delhi-110 024
• **Phone:** 011-24332207 • **Fax:** 011-24332206
• Website: www.vedic-arts.com • E-mail: vedicarts@mahaemail.com

Veda Series
Village-Chhan, Bhojpur Temple Road, Post-Misrod,
Distt.-Bhopal (M.P.) 462 047 INDIA
• **Phone:** 0755-4087351 • **Fax:** 0755-4087311
Website: www.vedaseries.com • E-mail: edaseries@mahaemail.com

New Dimensions in Indian Education Policy
Free and Compulsory Education (RTE) Act-2009

While Kapil Sibal promises that a revolution larger than the one in the telecom sector awaits the education sector, critics are sceptical. With too much happening too soon, there seems to be lack of clarity about the reforms
in place and proposals in the pipeline. Here is an attempt to decode them and examine their worth.

The Right of Children to Free and Compulsory Education Act

The Act makes it compulsory for state-funded schools to provide free education to every child between 6 and 14 years. "Since it is a fundamental right, in case a school refuses free education to a child, a parent or a child can approach the Supreme Court under Article 32 of the Constitution. It is also a statutory right, which allows parents
and children to approach their nearest taluka or district," says Ashok Agarwal, lawyer and president of All India Parents Association.
Also, the Act maintains that no child can be held back, expelled, or required to pass a board examination until one completes elementary education. In so far as infrastructure is concerned, it requires schools (where there is an issue) to improve within three years, or else the school will be de-recognised. It also calls for a fixed student-teacher ratio and allots 25% reservation for underprivileged students.

Examination Reforms

Taking a cue from the changes suggested in the National Curriculum Framework (NCF-2005), Sibal has introduced reforms, which include making the class X board exams optional, strengthening of comprehensive and continuous evaluation (CCE) system and introduction of the grading system. The Central Board of Secondary Education (CBSE) will make class X board exams optional, with effect from 2011.

This is meant for students studying in CBSE's senior secondary schools and those who do not wish to move out of the CBSE system even after their board exams. However, 'such' students who wish to move out of the CBSE system after class X will be required to take the board's external examination. Also, students studying in CBSE's

secondary schools will be required to take the board's external (written/online) examination because they will be leaving the secondary school after class X. However, CBSE will introduce an 'on demand' proficiency test for students who wish to assess themselves.

Continuous and Comprehensive Evaluation (CCE)

CBSE introduced CCE in primary classes in 2004. NCF's paper on examination reforms mentions that external examinations 'are largely inappropriate for the knowledge society of the 21st century and its need for innovative problem solvers.' It is important to look at the holistic assessment of a learner, which also includes co-scholastic areas of life skills, attitudes and values, sports and games as well as co-curricular activities. The scheme discourages mechanical testing and encourages use of tools and techniques for assessment in informal and formal settings. The scheme is applicable for the second term (October 2009-March 2010) of the current academic year in class IX. The academic year has been divided into two terms — from April-September (first term) and October-March (second term).

The National Commission for Higher Education and Research Bill, 2010

The bill is awaiting Cabinet approval. Once cleared, the central government will establish a National Commission for Higher Education and Research (NCHER). NCHER will work as a single regulatory body, which will determine, co-ordinate, maintain standards and promote higher education and research. Once NCHER comes into being, regulatory bodies such as UGC, NCTE and AICTE would be subsumed. Narendra Jadhav, member, Planning Commission, said, "Despite being a regulatory body, UGC happens to be giving out grants. This is a fundamental flaw. The same authority cannot give out grants as well as function as a regulatory body. The turf war exists within the councils that are part of the regulatory bodies. NCHER will try to achieve a synergy."

Unfair Practices in Technical, Medical Educational Institutions and Universities Bill, 2010

One of the five major bills awaiting Cabinet nod, it prohibits institutions from accepting fees or charges without issuing receipts and mandates them not to admit any student without conducting admission tests. It prohibits capitation fee (directly or indirectly) by the institution as well as the applicant. It also provides for refund of a certain percentage of the fee deposited, if one subsequently withdraws from the institution.

The bill also seeks to curb malpractices such as over-pricing of prospectus and barring advertisements by institutions, among other things. It has proposed imposition of civil and monetary penalties, which may extend up to Rs 50 lakh for violation of provisions to be enforced through State Education Tribunals, which are to be established under the bill.

The National Authority for Regulation in Accreditation of Higher Educational Institutions Bill

The task of the authority would be to accredit and rate all higher educational institutions in India. In accordance with the draft legislation, the national authority — along with multiple rating agencies — would develop and regulate the accreditation process. These multiple agencies would be registered with the national authority and the apex body would accredit and keep a check on the rating agencies. It would also keep an eye on fly-by-night operators. The bill would make it mandatory for all higher educational institutes and every programme of study to be accredited.

The Foreign Educational Institutions (Regulation of Entry and Operations, Maintenance of Quality and Prevention of Commercialisation) Bill

In a landmark decision, the foreign education bill got the Cabinet nod recently. It prescribes an eight-month, time-bound format for granting approval to foreign educational institutions to set up campuses in India. As for the reservation policy in the higher educational institutions, the law of the land will prevail. The proposed law will facilitate overseas institutes to participate in the Indian education sector.

INVINCIBLE DEFENCE – BASICS

Maj. Gen. Dr. Kulwant Singh (retired.)
Minister of Invincible Defence-Maharishi Global Country of World Peace
Director General-Maharishi Invincible Defence Programme-India

Invincible defence, also called Vedic Defence, is based on the nourishing power of Natural law. It follows the Vedic Principles of Prevention and denounces the current destructive weapon oriented approach to defence. We know from the history of warfare that large armies and stockpile of weapons have not been able to stop war, terrorism and violence. Even the most powerful countries remain vulnerable; there is no way in the modern system of defence, which can guarantee total security and peace. The main reason of failure of current systems is its inability to recognize the root cause of violence, which as per Vedic thinking is the individual and collective stress prevalent in the human mind and society. Therefore, the solution lies in the Vedic Technology of peace and certainly not in the destructive weapons.

Military thinkers across the world are looking at the alternate means to end all types of conflict and violence; Vedic technology of invincible defence provides the answer.

Maharishi Ji has brought this ultra modern technology of Invincibility within reach of every one. The technology of Transcendental Meditation and its advance practice of TM-Sidhi and Yogic Flying, bring about the coherence in the collective consciousness by enlivening the Unified Field of Natural Law. What we need is 1% of population to practice TM twice daily or Square root of 1% of population to practice Yogic Flying together at one place. When these numbers are achieved the affected population will achieve invincibility, the scientists called this phenomenon the “Maharishi Effect” in honor of Maharishi Ji who first predicted it in 1957. There will be no enemies and the need of weapons and other destructive means will be declared obsolete – Invincible defence will prevail. This is not a wishful thinking but viable practical approach well experimented and tried out in many violent and war areas successfully. More than 600 scientific research studies, conducted at over 215 independent universities and research institutes in 35 countries stand as proof to the effectiveness of Vedic Peace technology.

JAI GURU DEV, JAI MAHARISHI

Maharishi Movement Global News

European schools adopt Consciousness-Based Education for academic excellence and reduced social tensions

by Global Good News staff writer

Progressive schools around the world are offering a new kind of education, one which unfolds the students' full potential—reduced stress, total brain development, improved academic performance, and happiness—while simultaneously contributing to the welfare of their nations. Consciousness-Based Education is transforming the lives of students in a diverse range of cultural and socio-economic environments—from well-to-do private institutions, to indigenous communities, to tough inner city schools.

The successful programme includes the Transcendental Meditation Technique, and Dr Ashley Deans, Global Ambassador for Consciousness-Based Education, has traveled the world presenting the scientific research on the programme and benefits for schools, such as increased intelligence, comprehension, and creativity, and improvements in ADHD.

He recently toured Finland, Belgium, Luxembourg, Hamsa (Hungary), Kazakhstan, Uzbekistan, Kyrgyzstan, Turkey, Slovenia, Croatia, Serbia, Montenegro, Bosnia-Herzegovina, Macedonia, and Albania. In every country, he sees a rising interest in Consciousness-Based Education from administrators, teachers, parents, and students.

In Macedonia, the president of a large university invited Dr Deans and representatives of the Global Country of World Peace (the organization which teaches the Transcendental Meditation Programme worldwide) to speak to 100 students and faculty. He is now inviting them back to talk to 1,000 students and has agreed to fund the first 100 students who begin the Transcendental Meditation Programme.

In Albania, a university dean organized a presentation by Dr Deans and leaders of the Global Country. The response was so positive he has invited them back to speak to 1,000 students.

A professor in Croatia organized a lecture at a teachers' college in Zagreb, and is now planning a major presentation to students in the fall.

Similar successes took place in other countries on his tour, says Dr Deans. He also sees a growing understanding of the importance of maintaining groups of students and faculty practicing Transcendental Meditation and the Transcendental Meditation Sidhi Programme, including Yogic Flying, to reduce social tensions and create permanent peace and invincibility for every nation.

A university president in Macedonia was so excited about the possibility of reducing social tension in the Balkans that he signed a letter of intent to introduce Consciousness-Based Education right away.

Maharishi Vedic Pandits: Creating peace from the level of peace, silence, absolute unified harmony

by Global Good News staff writer

Maharishi Vedic Pandits create a powerful influence of harmony, coherence, and invincibility through specific peace-creating performances, said Raja Harris Kaplan, Raja of Invincible India for the Global Country of World Peace. Raja Harris recently discussed how these Vedic performances 'have as their purpose to make peace peaceful, to make the possibility of peacefulness—which is after all our own nature—the manifest reality'.

The idea that peace can be achieved through talks and treaties has always been the 'great mistake' of all those who have desired for peace for the world, Raja Harris said.

'The fact is, as we all know, that peace can only be created on the level of peace,' he continued. 'You can't create light by pulling out darkness, you can only create peace from the level on which peace is already, or it will be ephemeral. There is a level of orderliness, there is a level of peace, there is a level of absolute unified harmony, which is within the nature of everything, which is the nature of everything.'

Specific Vedic performances by Vedic Pandits enliven the 'value of silence and peace . . . pure undifferentiated wholeness', Raja Harris said. One such performance is called *Rudrabhishek*.

Rudrabhishek is one of a number peace-creating performances which have been done for centuries, Raja Harris said, and one of the most important elements of Maharishi Mahesh Yogi's global programmes is his plan for large groups to perform *Rudrabhishek*all around India—to establish lasting peace, harmony, andinvincibility for the world.

Switzerland: Maharishi Yoga course to be offered in Seelisberg

by Global Good News staff writer

The breathtaking alpine beauty of Seelisberg, Switzerland will be the setting for the unique 16-lesson course on Yoga created by Maharishi Mahesh Yogi, which will be offered 5-12 June. The course is designed to create physiological balance and mind-body coordination through simple Yoga postures and breathing exercises.

Using unique charts created by Maharishi to explain the eight limbs of Yoga, *Ashtanga Yoga*, this course gives a comprehensive understanding of the nature of Yoga—the unification of individual and cosmic life. It also gives practical training in Yoga postures and breathing exercises that promote integration of mind and body, supporting health by bringing life into harmony with Natural Law.

Topics also include:

'" Yoga and integration of all aspects of life;

'" The Bhagavad-Gita* as the supreme textbook of Yoga;

'" Scientific research validating the benefits of the Yoga postures;

'" Knowledge of higher states of consciousness**—the fulfillment of the practice of Maharishi Yoga;

'" Discovery of Veda and Vedic Literature in human physiology;

'" Developing the state of Yoga through Maharishi's Transcendental Meditation and Transcendental Meditation Sidhi Programme; and

'" Enlivening the intelligence in all levels of the physiology through Yoga postures and breathing exercises.

Fund established to help US military veterans become Teachers of the Transcendental Meditation Technique

by David Leffler, PhD

News on preventing an enemy from arising with Invincible Defense Technology (IDT)

A fund has been established to help US Veterans attend the Transcendental Meditation® (TM®) Teacher Training Course.

Today, US military-related personal are being diagnosed with high rates of stress-related problems like PTSD [Post Traumatic Stress Disorder]. According to an article published on *AllGov.com*, 'One military survey of about 100,000 veterans of the Afghanistan and Iraq wars showed that 31% had been diagnosed with mental health or psychosocial problems.' According to *The Chicago Tribune*, mental illness-related disability costs

since 2003 have soared 76%, 'burdening an already overwhelmed system and underscoring the reality that the biggest costs of war are not often immediate or visible.'

Our US [military personnel] could prevent or manage such problems by learning the Transcendental Meditation program, which stands alone as the most widely researched stress-reducing modality. Over 600 scientific research studies have been conducted on the TM technique in more than 200 leading institutions and in over 30 countries. The positive results have been documented in numerous scientific peer-reviewed journals.

''Due to the stressful lifestyle of danger and hardship, military personnel have their own unique cultural norms, ways of thinking, and language. They even tell time differently,'' said Dr. David Leffler, a U.S. Air Force veteran. ''Because military veterans have also served their country under such conditions, they interact easily with members of the armed forces. For this reason, veterans who understand the 'warrior mind-set' are well-suited to teach the TM technique [in the military].''

New research on Transcendental Meditation shows reduced depression without drugs

The M.U.M. Review: Maharishi University of Management, Iowa, USA

The Transcendental Meditation® technique may be an effective approach to reduce symptoms of depression, according to new research presented at the 31st Annual Meeting of the Society of Behavioral Medicine in Seattle, Washington, this past April by Sanford Nidich, MUM faculty member and senior researcher at the Institute for Natural Medicine and Prevention.

The studies, conducted at Charles Drew University in Los Angeles and the University of Hawaii in Kohala, included African Americans and native Hawaiians 55 years and older who were at risk for cardiovascular disease. Participants were randomly allocated to the Transcendental Meditation program or health education control group and were assessed with a standard test for depression—the Center for Epidemiological Studies-Depression inventory over 9-12 months.

''Clinically meaningful reductions in depressive symptoms were associated with practice of the Transcendental Meditationprogram,' Dr. Nidich said. ''The findings of these studies have important implications for improving mental health and reducing the risk of cardiovascular morbidity and mortality.''

Live demonstrations of EEG coherence during Transcendental Meditation draw hundreds at yoga conference - Canada

16 May 2010 - Live demonstrations of EEG coherence during the practice of the Transcendental Meditation Programme drew hundreds of people at a recent yoga conference in Vancouver, Canada. Conference participants appreciated seeing concrete sensory evidence of benefits from the technique. They could see brainwave coherence increase from 30 per cent to 85 per cent, less than a minute after a practitioner began the Transcendental Meditation Technique.

International Capital of Global Country of World Peace draws 4,000th tour participent - Netherlands

27 May 2010 - Many visitors from the local community have been taking tours of the International Capital of the Global Country of World Peace in MERU, Holland, appreciating the unique, deeply settled, peaceful atmosphere as well as the inspiring knowledge and practical programmes of Maharishi Mahesh Yogi.

Maharishi Gandharva Veda music concerts to be featured in global celebrations in MERU, Holland - July 2010

26 May 2010 - Events and highlights of the annual celebration of Guru Purnima, on the full moon day in July, in MERU, Holland were recently announced, including a special series of Maharishi Gandharva Veda music concerts—the first Maharishi Gandharva Veda Festival for World Peace.

E-Gyan Monthly News Letter

Reminder

Dear Readers,

I am happy to release this 12th edition of E-Gyan Monthly Digital News Letter. Previous editions of E-Gyan have been published and circulated amongst you. In every edition of E-Gyan I am requesting you to send news from your relevant field. But we are not receiving enough news. Please start sending the news in either Hindi or English. **E-Gyan Monthly News Letter** will be released in the first week of every calendar month. E-Gyan matter must be received by 15th of every month.

E-Gyan Monthly Digital News Letter will be circulated to all members, employees, well wishers and students of all Maharishi Organizations in India and also to millions of Meditators, Sidhas, Governors, leaders and devotees of Maharishi Global Organisations around the Globe.

E-Gyan Monthly News Letter contains the following:

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
3. Present student strength course wise, subject wise, class wise, branch wise in different Maharishi Educational Institutions.
4. Announcement of any new course offering and its schedule with course details and venue.
5. Starting of new building construction, report on Bhumi pujan or vastu pujan or foundation stone ceremony.
6. Inauguration or graha pravesh or public offering of new building.
7. Special achievement of any Maharishi Organisation.
8. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
9. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
10. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
11. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/ corporations.
12. Outstanding performance of ex-students.
13. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or Organisation.
14. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, website.
15. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
16. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
17. Launching of new product with details, availability, and price.
18. Details of products already in market.
19. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.

20. Offering Vedic solution to any social problem.
21. Performance of any special Anushthan or Yagyas.
22. Vedic celebration reports.
23. Excursion tour reports.
24. Corporate visit, corporate training etc.
25. Visit of national and international dignitaries and their remarks.
26. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.
27. Report on academic or commercial collaborations.
28. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.
29. Report on monthly Initiations in TM, Sidhi course and Advance Techniques.
30. Report on activities of Maharishi Global Movement.
31. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, leaders, members, faculty, staff, students, meditators, Sidhas and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through email **(egyan@mahaemail.com and egyanmonthly@gmail.com)** as word document file (or in a CD to Dr. T. C. Pathak, Maharishi Centre for Educational Excellence Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462018). Hard copy should be neatly typed ("Times New Roman" font for English and "Devnagri" or "Chanakya" font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers.

Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports. Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it's readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit www.e-gyan.net web site.

With All the Best Wishes in Maharishi's Third Year of Invincibility - Global Ram Raj.
Jai Guru Dev, Jai Maharishi

Dr. T.C. Pathak
For Editorial Board, E-Gyan Newsletter

Copyright © 2010 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan
All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of ***Maharishi Ved Vigyan Prakashan.***
Maharishi Ved Vigyan Prakashan, *Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh,* ***Phone:*** *+91 755 4087351*